

खास-खबरें

जिला बदर का उल्लंघन करने वाले पर पुलिस द्वारा कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीक्षा यादव के निर्देशन में गैर जामनी बदर की तामीली, आदतन अपराधियों एवं जिला बदर के आरोपियों के चेकिंग की जा रही है। सम्पूर्ण जिले में समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों के द्वारा निरंतर एक जनवरी से 23 अक्टूबर तक कुल 18 जिला बदर के प्रकरणों में आरोपियों पर जिला बदर का उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही की गई है। इसके अंतर्गत कोतवाली विदिशा द्वारा 5, सिविल लाइन पुलिस द्वारा 4, करारिया द्वारा 2, नटरन द्वारा 2, गंजबासौदा देहत, गंजबासौदा शहर, कुरवाई, दीपनाथेडा एवं मुगलसराय द्वारा क्रमशः एक-एक जिला बदर का उल्लंघन करने वाले आरोपियों पर कार्यवाही गई है।

भजन संध्या आज

गंजबासौदा। नगर के प्रतिष्ठित स्कूल सुभाष निकेतन में कल शरद पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षाविद स्वर्णीय बाबूलाल जी श्रीवास्तव की पूष्य स्मृति में भजन संध्या आयोजित की गई है जिसमें क्षेत्र के होनहार प्रसिद्ध गायक महेंद्र सिंह राजपूत एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी इस अवसर पर हाल ही में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य शिक्षाविद ज्ञान प्रकाश भार्गव का अभिनन्दन भी किया जा रहा है।

चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर को 170 साल की सजा

सीहोर। जिला न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए रुपए का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाले साईं प्रसाद चीट फंड कंपनी के डायरेक्टर बाला साहब का भापकर को 170 साल की सजा और 9 लाख 35 हजार के जुर्माने से दंडित किया गया है। न्यायालय ने धारा 420 चीट फंड अधिनियम में 5-5 साल की सजा और निवेशकों की कार्डिंग में सजा सुनाई गई है जो 170 है। ममाले सहायक आयोजन अधिकारी प्रमोट अहिरवार ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि संजय कुमार शाही की अदालत ने चीट फंड कंपनी के डायरेक्टर बाला साहब भापकर को 420 चीट फंड अधिनियम में 5-5 साल की सजा और निवेशकों की कार्डिंग में सजा सुनाई गई है। जिनमें 170 साल की सजा और 9 लाख 35 हजार का जुर्माना से दंडित किया गया है।

निर्वाचन प्रेक्षकों ने सी-विजिल और कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त व्यव प्रेक्षक द्वय प्रभात रंजन और आनंद कुमार ने संयुक्त रूप से सी-विजिल और कंट्रोल रूम पहुंचकर क्रियान्वित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन से किया विसर्जन, रावण दहन हुआ



सीहोर।

नौ दिनों तक चले नवरात्रि पर्व का दशहरा पर समाप्त हो गया। इस दौरान सुबह से ही धूमधाम से चल समारोह निकालकर मातारानी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सीहोर में टाउन हाल स्थित विसर्जन घाट पर व्यवस्थाएं की गई थीं। इस दौरान बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन की सहायता से किया गया। इधर नगर में दशहरा पर्व भी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नगर के दशहरा मैदान एवं बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। इससे पहले श्रीराम, लक्ष्मणजी, सीताजी एवं हुमानजी की झाँकियां भी निकाली गईं। रावण दहन के दौरान बड़ी संख्या में नारवासी दशहरा जीतने के लिए पहुंचे थे।

जय माता दी के जयकरों के साथ निकले चल समारोहः नगर में नौ दिनों तक नवरात्रि पर्व की धूम रही। इसके बाद दशहरा पर्व पर झाँकियों का चल समारोह निकाला गया। जय माता दी के नारों एवं भजनों के साथ भक्तों ने नाचते-गाते चल समारोह निकाला। इस दौरान डांजे, ढोल बजते हुए चल रहे थे। नगर में जगह-जगह मातारानी की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। यह आयोजन जगह दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम एवं उद्घार्वक भावना गया। नगर में बालबिहार मैदान पर भी गत 30 वर्षों से दशहरा पर्व के दौरान रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जा रहा है। यह आयोजन जगह दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार आयोजित किया गया। इस दौरान बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों पर पहुंचकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिले के रेहटी, बुधनी, भैरूंदा, आशा, इछावर सहित अन्य नगरों एवं गांवों में भव्य दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। दशहरा पर राम बालबिहार मैदान पर रावण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जगह-जगह रावण दहन भी हुए। इस दौरान की बालबिहार पर्व धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले नगर में विसर्जन घाटों प